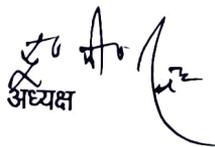


सत्य-प्रतिलिपि

प्रस्ताव

आज दिनांक 17.09.2023 दिन रविवार को अपराह्न 12:30 बजे महाराणा प्रताप पॉलिटैक्निक सोसाइटी, लक्ष्मीपुर, तहसील-सदर, जनपद-गोरखपुर, उत्तर प्रदेश-273015 के प्रबन्ध समिति की आपातकालीन बैठक प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष प्रो. यू.पी. सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में निम्न प्रस्तावों पर विचार-विमर्श कर निर्णय लिए गए-

<p>1 राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में स्किल डेवलपमेंट, स्नातक, स्नातकोत्तर एवं शोध हेतु उच्च तकनीकी संस्थान 'महाराणा प्रताप इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी' (Maharana Pratap Institute of Technology) खोलने हेतु आवश्यक भूमि देने पर विचार।</p>	<p>1 प्रबन्ध समिति की बैठक में अध्यक्ष महोदय द्वारा निम्न प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया-</p> <p>"राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020" के आलोक में वर्तमान राष्ट्रीय-सामाजिक-आर्थिक विकास हेतु आवश्यक युगानुकूल नए उभरते हुए क्षेत्र (Emerging Area) में तकनीकी पाठ्यक्रमों की आवश्यकता महसूस की जा रही है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में आवश्यकता की अपेक्षा उपर्युक्त सन्दर्भित संस्थान एवं पाठ्यक्रम अत्यल्प हैं। अतः लोककल्याणार्थ उपर्युक्त सन्दर्भित तकनीकी क्षेत्र में स्किल डेवलपमेंट, स्नातक, स्नातकोत्तर, शोध इत्यादि के लिए उच्च तकनीकी संस्थान- महाराणा प्रताप इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (Maharana Pratap Institute of Technology) नाम से प्रारम्भ किया जाना आवश्यक है। उक्त संस्थान के लिए शहरी क्षेत्र में 2.5 एकड़ भूमि की आवश्यकता है।</p> <p>महाराणा प्रताप पालिटैक्निक सोसाइटी लक्ष्मीपुर, तहसील-सदर, गोरखपुर के नाम 9.463 एकड़ (3.829 हेक्टेयर) भूमि है। जिसमें लगभग 1.5 एकड़ भूमि में महाराणा प्रताप पालिटैक्निक संचालित है। शेष 7.963 एकड़ भूमि में से 2.50 एकड़ भूमि पर उपर्युक्त संस्था - "महाराणा प्रताप इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (Maharana Pratap Institute of Technology)" की स्थापना की जाए जिसके लिये अवशेष 7.963 एकड़ भूमि में से 2.50 एकड़ भूमि महाराणा प्रताप इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (Maharana Pratap Institute of Technology) को देने के लिये सर्वसम्मति से सहमति/स्वीकृति प्रदान की जाती है जिससे कि नए उभरते तकनीकी क्षेत्र की आवश्यकताओं के पाठ्यक्रम संचालित किए जा सकें।</p> <p>प्रबन्ध समिति ने सर्वसम्मति से अपनी 2.50 एकड़ भूमि "महाराणा प्रताप इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (Maharana Pratap Institute of Technology)" खोलने हेतु सहमति प्रदान किया। प्रबन्ध समिति को इसमें कोई आपत्ति नहीं है।</p> <p>प्रबन्ध समिति ने सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया कि नियमानुसार सभी औपचारिकताएँ पूर्ण करते हुए सत्र 2024-25 से नया संस्थान संचालित कर लिया जाये। अवस्थापना सम्बन्धी समस्त सुविधाएँ समयबद्ध ढंग से पूर्ण कर लिया जाये।</p>
--	---


अध्यक्ष

अध्यक्ष 17-09-23
महाराणा प्रताप पालिटैक्निक
गोरखपुर

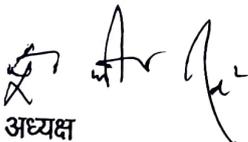

सचिव 17-09-23
प्रधानाचार्य
महाराणा प्रताप पालिटैक्निक
गोरखपुर

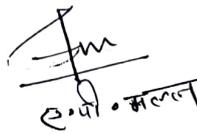
सत्य-प्रतिलिपि

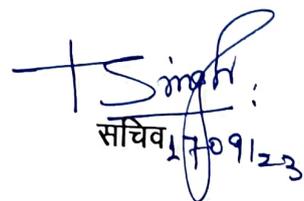
प्रस्ताव

आज दिनांक 17.09.2023 दिन रविवार को अपराह्न 12:30 बजे महाराणा प्रताप पॉलिटेक्निक सोसाइटी, लक्ष्मीपुर, तहसील-सदर, जनपद-गोरखपुर, उत्तर प्रदेश-273015 के प्रबन्ध समिति की आपातकालीन बैठक प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष प्रो. यू.पी. सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में निम्न प्रस्तावों पर विचार-विमर्श कर निर्णय लिए गए-

<p>1 राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में स्किल डेवलपमेंट, स्नातक, स्नातकोत्तर एवं शोध हेतु उच्च तकनीकी संस्थान 'महाराणा प्रताप इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी' (Maharana Pratap Institute of Technology) खोलने हेतु आवश्यक भूमि देने पर विचार।</p>	<p>1 प्रबन्ध समिति की बैठक में अध्यक्ष महोदय द्वारा निम्न प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया-</p> <p>"राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020" के आलोक में वर्तमान राष्ट्रीय-सामाजिक-आर्थिक विकास हेतु आवश्यक युगानुकूल नए उभरते हुए क्षेत्र (Emerging Area) में तकनीकी पाठ्यक्रमों की आवश्यकता महसूस की जा रही है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में आवश्यकता की अपेक्षा उपर्युक्त सन्दर्भित संस्थान एवं पाठ्यक्रम अत्यल्प हैं। अतः लोककल्याणार्थ उपर्युक्त सन्दर्भित तकनीकी क्षेत्र में स्किल डेवलपमेंट, स्नातक, स्नातकोत्तर, शोध इत्यादि के लिए उच्च तकनीकी संस्थान- महाराणा प्रताप इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (Maharana Pratap Institute of Technology) नाम से प्रारम्भ किया जाना आवश्यक है। उक्त संस्थान के लिए शहरी क्षेत्र में 2.5 एकड़ भूमि की आवश्यकता है।</p> <p>महाराणा प्रताप पालिटेक्निक सोसाइटी लक्ष्मीपुर, तहसील-सदर, गोरखपुर के नाम 9.463 एकड़ (3.829 हेक्टेयर) भूमि है। जिसमें लगभग 1.5 एकड़ भूमि में महाराणा प्रताप पालिटेक्निक संचालित है। शेष 7.963 एकड़ भूमि में से 2.50 एकड़ भूमि पर उपर्युक्त संस्था - "महाराणा प्रताप इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (Maharana Pratap Institute of Technology)" की स्थापना की जाए जिसके लिये अवशेष 7.963 एकड़ भूमि में से 2.50 एकड़ भूमि महाराणा प्रताप इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (Maharana Pratap Institute of Technology) को देने के लिये सर्वसम्मति से सहमति/स्वीकृति प्रदान की जाती है जिससे कि नए उभरते तकनीकी क्षेत्र की आवश्यकताओं के पाठ्यक्रम संचालित किए जा सकें।</p> <p>प्रबन्ध समिति ने सर्वसम्मति से अपनी 2.50 एकड़ भूमि "महाराणा प्रताप इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (Maharana Pratap Institute of Technology)" खोलने हेतु सहमति प्रदान किया। प्रबन्ध समिति को इसमें कोई आपत्ति नहीं है।</p> <p>प्रबन्ध समिति ने सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया कि नियमानुसार सभी औपचारिकताएँ पूर्ण करते हुए सत्र 2024-25 से नया संस्थान संचालित कर लिया जाये। अवस्थापना सम्बन्धी समस्त सुविधाएँ समयबद्ध ढंग से पूर्ण कर लिया जाये।</p>
--	---


अध्यक्ष


ए.पी. मल्ल


सचिव 17/09/23


17/09/23


सदस्य श्री क. लाल


17/09/23
(Hemraj Singh)


सम. वि. मि. 9


Rm P


R.C. Yadav

सत्य प्रतिलिपि

प्रस्ताव संख्या-2

दिनांक: 04/09/2023

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्, गोलघर, गोरखपुर के प्रबंध समिति की बैठक दिनांक: 04/09/2023 दिन सोमवार को मध्याह्न 12:00 बजे श्री गोरखनाथ मन्दिर, गोरखपुर में समिति के अध्यक्ष प्रो. यू.पी. सिंह जी की अध्यक्षता में निम्न विषयों पर निर्णय लेने हेतु सम्पन्न हुई।

<p>2 महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् गोरखपुर द्वारा संचालित महाराणा प्रताप पालिटेक्निक सोसाइटी के अन्तर्गत स्किल डेवलपमेंट, स्नातक, स्नातकोत्तर, एवं शोध हेतु उच्च तकनीकी संस्थान 'महाराणा प्रताप इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी' (Maharana Pratap Institute of Technology) खोलने पर विचार।</p>	<p>2 महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्, गोलघर, गोरखपुर, प्रबंध समिति की बैठक में प्रबन्धक महोदय द्वारा यह प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया कि- " राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में वर्तमान राष्ट्रीय-सामाजिक-आर्थिक विकास हेतु आवश्यक युगानुकूल नए उभरते हुए क्षेत्र (Emerging Area) में तकनीकी पाठ्यक्रमों की आवश्यकता महसूस की जा रही है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में आवश्यकता की अपेक्षा उपर्युक्त सन्दर्भित संस्थान एवं पाठ्यक्रम अत्यल्प है। अतः लोककल्याणार्थ उपर्युक्त सन्दर्भित तकनीकी क्षेत्र में स्किल डेवलपमेंट, स्नातक, स्नातकोत्तर, शोध इत्यादि के लिए उच्च स्तरीय तकनीकी संस्थान - 'महाराणा प्रताप इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी' (Maharana Pratap Institute of Technology) नाम से प्रारम्भ किया जाना आवश्यक है। उक्त संस्थान के लिए शहरी क्षेत्र में 2.5 एकड़ भूमि की आवश्यकता है।</p> <p>महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित 'महाराणा प्रताप पालिटेक्निक सोसाइटी लक्ष्मीपुर तहसील सदर, गोरखपुर के नाम 9.463 एकड़ (3.829 हेक्टेयर) भूमि है। जिसमें लगभग 1.5 एकड़ भूमि में महाराणा प्रताप पालिटेक्निक संचालित है। शेष 7.963 एकड़ भूमि में से 2.5 एकड़ भूमि पर उपर्युक्त संस्था- 'महाराणा प्रताप इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी' (Maharana Pratap Institute of Technology) की स्थापना की जाए जिसके लिये अवशेष 7.963 एकड़ भूमि में से 2.5 एकड़ भूमि महाराणा प्रताप इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (Maharana Pratap Institute of Technology) के लिये आवंटित/प्रदान की जाती है जिससे कि नए उभरते तकनीकी क्षेत्र की आवश्यकताओं के पाठ्यक्रम संचालित किए जा सकें।</p> <p>उपर्युक्त प्रस्ताव को उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने समर्थन किया। सर्वसम्मति से उपर्युक्त प्रस्ताव पारित हुआ। प्रबन्ध समिति के द्वारा उपर्युक्त के सन्दर्भ में अग्रेतर कार्यवाही हेतु प्रबन्धक/अध्यक्ष महोदय को अधिकृत किया गया।</p>
---	--

अध्यक्ष
04/09/23

संयुक्त मंत्री